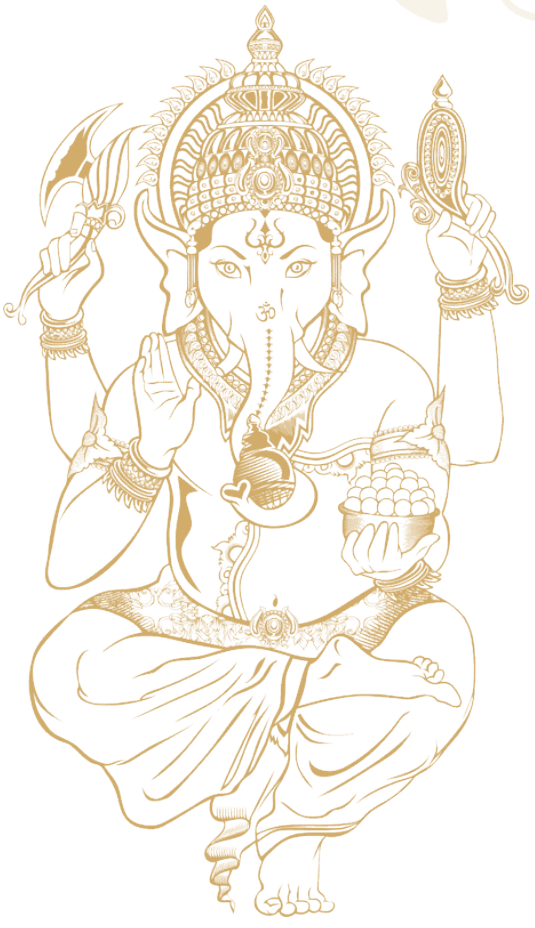

Mr.yaran

28 Feb 2017

08:00 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121403602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/02/2017**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:00:00 घंटे**
इष्ट	04:21:27 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:09:40 घंटे
वेलान्तर	-00:12:32 घंटे
साम्पातिक काल	18:42:06 घंटे
सूर्योदय	06:15:25 घंटे
सूर्यास्त	17:50:40 घंटे
दिनमान	11:35:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:35:41 कुम्भ
लग्न के अंश	20:28:52 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	साध्य
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दू-दूधेश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	20:28:52	494:00:36	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	15:35:41	01:00:17	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	04:31:50	13:58:23	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
मंगल			मीन	28:42:17	00:43:46	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	कुंभ	09:42:37	01:47:44	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		कन्या	28:18:13	00:04:01	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	18:41:16	00:10:04	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	उच्च राशि
शनि			धनु	02:34:48	00:03:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	09:17:49	00:00:41	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	09:17:49	00:00:41	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मीन	27:57:29	00:02:44	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	---
नेप			कुंभ	17:32:11	00:02:17	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	24:39:38	00:01:26	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			धनु	15:34:34	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:41

लग्न-चलित

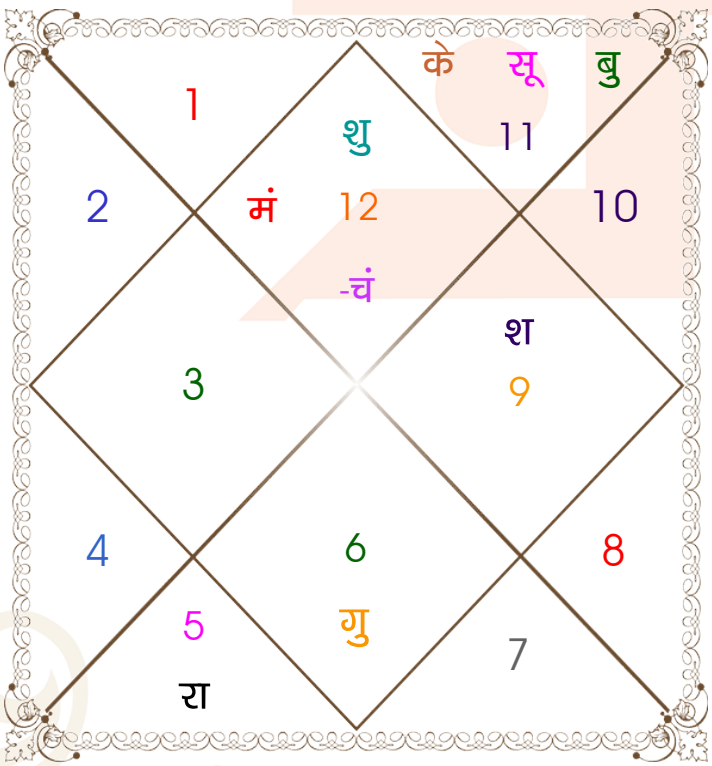

चन्द्र कुंडली

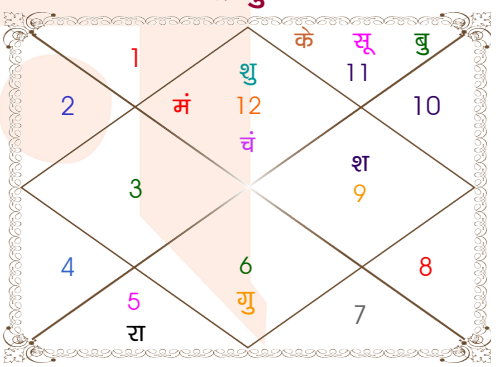

नवमांश कुंडली

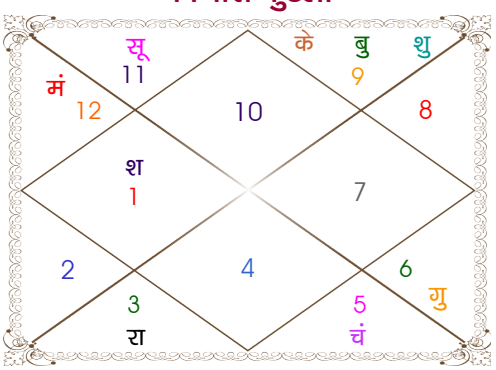

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 17 वर्ष 3 मास 16 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
28/02/2017		16/06/2034		16/06/2051		16/06/2058		16/06/2078	
16/06/2034		16/06/2051		16/06/2058		16/06/2078		15/06/2084	
शनि	19/06/2018	बुध	11/11/2036	केतु	12/11/2051	शुक्र	15/10/2061	सूर्य	03/10/2078
बुध	26/02/2021	केतु	08/11/2037	शुक्र	11/01/2053	सूर्य	15/10/2062	चंद्र	04/04/2079
केतु	07/04/2022	शुक्र	08/09/2040	सूर्य	19/05/2053	चंद्र	15/06/2064	मंगल	10/08/2079
शुक्र	06/06/2025	सूर्य	16/07/2041	चंद्र	18/12/2053	मंगल	15/08/2065	राहु	03/07/2080
सूर्य	19/05/2026	चंद्र	15/12/2042	मंगल	16/05/2054	राहु	15/08/2068	गुरु	21/04/2081
चंद्र	18/12/2027	मंगल	12/12/2043	राहु	04/06/2055	गुरु	16/04/2071	शनि	03/04/2082
मंगल	26/01/2029	राहु	01/07/2046	गुरु	09/05/2056	शनि	16/06/2074	बुध	08/02/2083
राहु	03/12/2031	गुरु	06/10/2048	शनि	18/06/2057	बुध	15/04/2077	केतु	16/06/2083
गुरु	16/06/2034	शनि	16/06/2051	बुध	16/06/2058	केतु	16/06/2078	शुक्र	15/06/2084

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/06/2084		16/06/2094		16/06/2101		17/06/2119		17/06/2135	
16/06/2094		16/06/2101		17/06/2119		17/06/2135		00/00/0000	
चंद्र	15/04/2085	मंगल	12/11/2094	राहु	27/02/2104	गुरु	04/08/2121	शनि	01/03/2137
मंगल	14/11/2085	राहु	30/11/2095	गुरु	23/07/2106	शनि	15/02/2124		00/00/0000
राहु	16/05/2087	गुरु	05/11/2096	शनि	29/05/2109	बुध	23/05/2126		00/00/0000
गुरु	14/09/2088	शनि	15/12/2097	बुध	16/12/2111	केतु	29/04/2127		00/00/0000
शनि	16/04/2090	बुध	12/12/2098	केतु	03/01/2113	शुक्र	28/12/2129		00/00/0000
बुध	15/09/2091	केतु	10/05/2099	शुक्र	04/01/2116	सूर्य	16/10/2130		00/00/0000
केतु	15/04/2092	शुक्र	10/07/2100	सूर्य	27/11/2116	चंद्र	15/02/2132		00/00/0000
शुक्र	15/12/2093	सूर्य	15/11/2100	चंद्र	29/05/2118	मंगल	21/01/2133		00/00/0000
सूर्य	16/06/2094	चंद्र	16/06/2101	मंगल	17/06/2119	राहु	17/06/2135		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 17 वर्ष 3 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।